



संस्मरण

धारवाड़

12-11-21

प्रिय सर्वेश पांडेय जी,

बड़ी खुशी के साथ आपको को लिख रहा हूँ कि अवध मंडल के एक प्रतिभाशाली युवक की नियुक्ति किरोडीमल कॉलेज (Delhi वर्सिटी) में हाल ही में हो गयी है। उनकी अपनी योग्यता के आधार पर। कई लोगों की मदद उन्हें मिली। भाग्य ने उन्हें खूब साथ दिया। यह (Delhi varsity) का कॉलेज है, किरोडीमल बहुत पुराना कॉलेज, जैसे महाराजा कॉलेज, मैसूर, राजाराम कॉलेज, कोल्हापुर आदि। आलोचक विश्वनाथ त्रिपाठी ने इसी कॉलेज में अपनी अध्यापन वृत्ति आरंभ की थी। हिंदी के प्रतिभाशाली छात्रों को आज यह उन्हें पढ़ाने का अवकाश मिल गया है। प्रोफेसर बली सिंह जो प्रतिष्ठित हिंदी कवि, आलोचक, सरल और उदारमाना है विभाग के अध्यक्ष हैं। खुशी है कि पांडेय को बलि सिंह जी का मार्गदर्शन मिल रहा है। मेरा पांडेय से सीधा परिचय नहीं था। अनुपम भट्ट के द्वारा इनको खूब जानता हूँ। अनुपम भट्ट के द्वारा मैंने इस कॉलेज को खूब देख लिया हूँ। लगा था कि यह भी धारवाड़ का कर्नाटक कॉलेज है जहां मैंने 11वीं से एम. ए की पढ़ाई पूरी की थी। बड़े-बड़े दिग्गज अध्यापकों को सुनने का अवकाश (1962 से 1969 तक) मिला था। आप तो भोजपुरी मंडल के हैं भोजपुरी में अच्छी पकड़ है। सीधे गांव से आये हुए हैं। अवध- मंडल का यह तेजस्वी छात्र, युवक अरुण कुमार पांडे हैं। अरुण कुमार पांडे इलाहाबाद के "सोराम" तहसील के एक गांव से आये हुए हैं। संयुक्त परिवार का बड़ा फायदा उन्हें। आपकी तो भोजपुरी, अरुण की तो अवधी। यह बोली, ग्रामीण जीवन का संस्कार, समूह- बाल्य जीवन आदि आप दोनों का खजाना है। यह संपत्ति हमारी अगली पीढ़ी को क्या मिलेगी? अरुण का "सोराम" रामकथा से जुड़ा है। सुना है उनका गाँव विविधता से भरा है। अब भी अरुण को गाँव बहुत प्रिय हैं मेरे जैसे। अब भी उनके परिवार के लोग के खेतिहर हैं। सुना है कि उनकी अपने दादा-दादी का मार्गदर्शन अब भी उन्हें मिल रहा है। आपके जैसे वे अध्ययन अध्ययन के भूखे हैं। अपना ज्ञान छात्रों के बीच बांटना चाहते हैं। साहित्य अभिरुचि इनमें खूब है। खुशी है कि हिंदी भाषा में पहले जैसे प्रतिभाशाली मिल रहे हैं। आप जैसे प्रामाणिक, कर्मठ, अध्ययनशील अध्यापकों के कारण छात्रों का भाग्य क्यों ना खुलेगा!

T.R Bhat

Prof(Rtd) department of Hindi
Karnataka University, Dharward.